लीबिया में भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स को ठेका

3920. **श्री भानु कुमार शास्त्री** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) लीबिया में भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स को कितने करोड़ रुपये का ठेका मिला और इस ठेके पर लागू होने वाली मुख्य शर्तें क्या हैं; और

(ख) यह कार्य कब तक पूरा हो जायेगा ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी आभा मयती) : (क) लीबिया में भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड को 32393157 एलडी मूल्य का ठेका मिला, जो 1 एलडी=30 रुपये की विनिमय दर पर लगभग 96.88 करोड़ रुपये आता है। ठेके की मुख्य शर्तों को बताने वाला एक विवरण सलग्न है।

(ख) ठेके के अन्तर्गत दो यूनिटों के चालू होने की तिथियां निम्नलिखित हैं :—

यूनिट I 29 जून, 1979 तक

यूनिट II 29 दिसम्बर, 1979 तक

ठेके की शर्तों के अनुसार बी०एच०ई०एल० ने दो वर्षों की अवधि तक विद्युत केन्द्र का संचालन और रख-रखाव भी करना है जिसमें ग्राहक को और दो वर्षों के लिए इसे बढ़ाने का विकल्प प्राप्त है।

विवरण

मुख्य शर्तें :

(क) लीबिया के किसी बन्दरगाह तक आयातित संयंत्र की लागत तथा भाड़ा मूल्य का भुगतान निम्नलिखित तरीके से किया जायेगा :—

(1) ठेके पर हस्ताक्षर होने के 45 दिनों के अन्दर 20 प्रतिशत, जिसका भुगतान अमरीकी डालरों में प्रत्यक्ष स्थान्तरण द्वारा नई दिल्ली में ठेकेदार के बैंक को किया जायेगा। यह राशि निम्नलिखित शर्तों पर रिलीज की जायेगी :—

(क) ठेके पर हस्ताक्षर होने के 15 दिन के अन्दर ठेके का पंजीकरण और उसी मुद्रा में किसी लीबियाई बैंक से गारन्टी-पत्र प्रस्तुत करना।

(ख) ठेकेदार द्वारा स्थल का उत्तरदायित्व लेना और इंजीनियर द्वारा मास्टर प्रोग्राम क्लाज 6.06 की प्राप्ति। प्रत्येक पोत-लदान के मूल्य के 20 प्रतिशत तक गारंटी-पत्र स्वत: कम कर दिया जायेगा।

(2) नौवहन दस्तावेज प्रस्तुत करने पर प्रत्येक पोत-लदान पर 50 प्रतिशत (अर्थात् 70 प्रतिशत तक अग्रिम भुगतान सहित) भंडारण और बीमे का सारा व्यय ठेकेदार द्वारा वहन किया जायेगा।

मालिक अमरीकी डालरों में एक अपरिवर्तनीय विभाज्य और प्रमाणीकृत साख-पत्र खोलेगा जिसमें लागत और भाड़ा मूल्य के 50 प्रतिशत मूल्य के उपर्युक्त भुगतान सम्मिलित होंगे। यह साख-पत्र मालिक द्वारा निम्नलिखित की प्राप्ति के तीन महीने के अन्दर खोला जाएगा :—

(क) साख-पत्र का मसौदा।

(ख) लीबिया की बीमा कम्पनी से समुद्री बीमे के लिए पालिसी।

(ग) ठेकेदार से इस बात का वचन कि पहला पोत-लदान तीन महीने के अन्दर किया जायेगा।

साख-पत्र तीन चरणों में होगा। प्रत्येक चरण का मूल्य ऋण के कुल मूल्य के एक-तिहाई के बराबर होगा। प्रथम चरण साख-पत्र खोलने की तिथि को उपलब्ध होगा। साख-पत्र में

यह अभिव्यक्त होगा कि जब बाकी ऋण का मूल्य 20 लाख अमरीकी डालर से नीचे तक कम हो जायेगा तो दूसरे और तीसरे चरणों में स्वत: वृद्धि हो जाएगी।

साख-पत्र खोलने और इसका मूल्य बढ़ाने का व्यय मालिक द्वारा वहन किया जायेगा। साख-पत्र की पुष्टि के लिए व्यय ठेकेदार द्वारा वहन किया जायेगा में निर्माण कार्य का अंतिम रूप से अधिकार लेने का प्रमाण-पत्र के पश्चात् साख-पत्र 28 दिनों तक वैध रहेगा। साख-पत्र इस प्रकार लिखा जायेगा कि नौवहन दस्तावेजों में एक प्रमाण-पत्र शामिल हो कि पोत-लदान त्रिपोली बंदरगाह पर पहुंच गये हैं।

(3) 20 प्रतिशत (अर्थात् 90 प्रतिशत तक, अग्रिम भुगतान सहित), उन संयंत्रों, जिनकी कीमत ठेका दस्तावेजों और मूल्य अनुसूचियों में स्पष्ट रूप से बताई गई है, स्वत: पूर्ण प्रमुख हिस्सों और खंडों का निर्माण कार्य पूरा होने पर अंतरिम प्रमाण-पत्रों के जारी होने के 28 दिनों के अन्दर, लेकिन उस काम के लिये नहीं जो कार्यक्रम से पहले हो रहा है।

(4) 5 प्रतिशत (अर्थात 95 प्रतिशत तक, अग्रिम भुगतान सहित), अधिकार में लेने के अंतरिम प्रमाण पत्रों के जारी होने के 28 दिनों के अन्दर।

(5) ठेके के मूल्य के लागत और भाड़ा अंश की बकाया राशि रख-रखाव की अवधि की समाप्ति तक वैध उसी राशि में किसी लीबियाई बैंक से गारंटी पत्र के बदले अधिकार में लेने के प्रमाण पत्रों के जारी होने के 28 दिनों के अन्दर।

उपर्युक्त (क) (3), (क) (4) और (क) (5) के अंतर्गत भुगतान अमरीकी डालरों में प्रत्यक्ष हस्तांतरण द्वारा नई दिल्ली में ठेकेदार के बैंक को किया जायेगा।

(ख) ठेके के मूल्य की बकाया राशि जिसके अन्तर्गत लीबिया में परिवहन, स्थल का निर्माण, सिविल इंजीनियरी कार्य, संचालन और रख-रखाव कर्मचारी वर्ग और बीमा आता है, का भुगतान लीबियाई दीनारों में किया जायेगा। लीबियाई दीनार हिस्से का भुगतान त्रिपोली में ठेकेदार के स्थानीय बैंक को निम्नलिखित तरीके से किया जायेगा :—

(1) 20 प्रतिशत ठेके पर हस्ताक्षर होने के 45 दिनों के अन्दर। यह भुगतान निम्नलिखित शर्तों पर किया जायेगा :-

(क) ठेके पर हस्ताक्षर होने के 15 दिनों के अन्दर ठेके का पंजीकरण और किसी लीबियाई बैंक से उसी मुद्रा में एक गारंटी-पत्र प्रस्तुत करने पर।

(ख) ठेकेदार द्वारा स्थल को अपने अधिकार में लेने और इंजीनियर द्वारा मास्टर प्रोग्राम क्लाज 6.06 की प्राप्ति।

गारंटी-पत्र प्रत्येक अंतरिम प्रमाण-पत्र के मूल्य के 20 प्रतिशत तक स्वत: कम कर दिया जायेगा।

(2) प्रमाणित कार्य के मूल्य का 70 प्रतिशत (अर्थात् 90 प्रतिशत तक, अग्रिम भुगतान सहित) का मासिक आधार पर अंतरिम प्रमाण पत्रों के जारी होने के 28 दिनों के अन्दर।

(3) अधिकार में लेने पर अंतरिम प्रमाण-पत्रों के जारी होने के 28 दिनों के अन्दर 5 प्रतिशत (अर्थात 95 प्रतिशत तक अग्रिम भुगतान सहित)।

(4) संचालन और रख-रखाव कर्मचारी वर्ग को छोड़कर ठेके के मूल्य के लीबियाई दीनार की बकाया राशि रख-रखाव की अवधि की समाप्ति तक वैध उसी राशि में किसी लीबियाई बैंक से गारंटी-पत्र के बदले अधिकार में लेने के प्रमाण-पत्रों के जारी होने के 28 दिनों के अन्दर।

(5) संचालन और रख-रखाव कर्मचारी वर्ग की सेवाओं के मूल्य का 80 प्रतिशत (अर्थात् 100 प्रतिशत तक, अग्रिम भुगतान सहित) मासिक बीजकों के प्रस्तुत होने के 28 दिनों के अन्दर।

हिन्दुस्तान कागज निगम का गठन

3921. श्री रामसूर्ति : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिन्दुस्तान कागज निगम का गठन कब हुआ था और इस पर अब तक कुल कितनी राशि खर्च हुई है;

(ख) क्या इस निगम का कोई यूनिट चालू हो गया है, यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं; और

(ग) इस निगम के अध्यक्ष द्वारा किन-किन देशों का दौरा किया गया था, इन दौरों की संख्या तथा उनका उद्देश्य क्या है और प्रत्येक दौरे पर कितनी राशि खर्च हुई है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी आभा मयती) (क) हिन्दुस्तान कागज निगम 29 मई, 1970 में निगमित किया गया था। निगम की विभिन्न परियोजनाओं पर नवम्बर, 1977 तक कुल मिलाकर 6798 लाख रुपये खर्च हुआ था।

(ख) इस समय केवल एक ही यूनिट यथा मंगड़या नेशनल पेपर मिल्स चालू है जो 2 जनवरी, 1974 को हिन्दुस्तान कागज निगम द्वारा एक रुग्ण मिल के रूप में हाथ में ली गई थी।

नागालैंड में 33,000 मीट्रिक टन की वार्षिक क्षमता वाले एक एकीकृत लुगदी तथा कागज मिल की स्थापना करने के लिये जुलाई, 1972 में स्वीकृति दी गई थी। परियोजना पर अमल हो रहा है और आशा की जाती है कि 1978 के अंत तक यह चालू हो जायेगा।

हिन्दुस्तान कागज निगम द्वारा 80,000 मी० टन वार्षिक क्षमता वाली अखबारी कागज परियोजना की केरल राज्य जिला कोट्टायम में स्थापना करने की विनियोजन की दृष्टि से स्वीकृति अगस्त, 1974 में दे दी गयी थी। कार्यान्वयन की दिशा में ठोस प्रगति हुई है और 1979 के मध्य तक परियोजना के चालू हो जाने की आशा है।

सरकार ने मार्च, 1977 से आसाम के नौगांव तथा कछार जिलों में प्रत्येक में 1,00,000 मीट्रिक टन वार्षिक क्षमता की ही एकीकृत लुगदी तथा कागज मिलों की स्थापना करने हेतु स्वीकृति दी थी। इस वर्ष देरी से मिलने वाली वस्तुओं यथा, विद्युत् बायलरों आदि के लिये क्रयादेश दे दिये गये हैं। नौगांव संयंत्र के 1980 के अंत तक कछार संयंत्र के 1981 के अंत तक चालू हो जाने की आशा है।

(ग) सभा पटल पर रखे गये विवरण में ब्यौरा दिया गया है। [ग्रन्थालय में रखा गया देखिये संख्या एलटी-1359/77]।

Installation of a Plant to Manufacture Fibre Glass in Bharat Opthalmic Glass Limited, Durgapur

3922. SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government have decided to instal a plant to manufacture fibre glass in Bharat Opthalmic Glass Limited, Durgapur: and

(b) if so, when the Plant will be commissioned?